राष्ट्रीय पोषण सप्ताह –सितम्बर 2025

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा 1 से 7 सितम्बर, 2025 के मध्य राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह को मनाने का मूल उद्देश्य जनमानस में पोषण सम्बंधी जागरुकता बढ़ाना है। गृह विज्ञान विभाग प्रत्येक वर्ष पोषण सप्ताह में पोषण जागरुकता गतिविधियों, पोषण कार्यशाला, पोस्टर/चार्ट प्रयोगिताएं, आहारीय परामर्श सत्र आदि का आयोजन कराता रहा है। इस वर्ष भी विभाग द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित कराए गए। इस वर्ष 1 से 7 सितम्बर, 2025 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम किये गए:
- गृह विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में निम्न विषयों पर रेडियो व्याख्यान प्रसारित हुए:
  - पोषण सप्ताह का परिचय (डॉ० पूजा भट्ट): https://www.youtube.com/watch?v=xk4tJ4ERkZI
  - महिलाओं का स्वास्थ्य एवं पोषण (श्रीमती मोनिका द्विवेदी): https://youtu.be/pgdDYJd3me4?si=aIEeKl0r-dL4e08o
  - स्तनपान हेतु जागरूकता (डॉ० दीपिका वर्मा): https://youtu.be/hZcch6S5Mxs?si=GhOgN_x7xW8zjQJX
  - मोटापे से सम्बंधित आहारीय मिथक (डॉ० प्रीति बोरा): https://www.youtube.com/watch?v=aA0ZnzyncAM
  - मोटा अनाज (डॉ० ज्योति जोशी): https://www.youtube.com/watch?v=LKuHxKWb-7U
- गृह विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में निम्न विषयों पर विडियो व्याख्यान प्रसारित हुए:
  - हृदय विकारों में आहार नियोजन (श्रीमती मोनिका द्विवेदी) : https://www.youtube.com/watch?v=ej0tlj3tF1k
  - मधुमेह में आहार नियोजन (डॉ० पूजा भट्ट) : https://www.youtube.com/watch?v=dx-emXue-P0
  - मोटापे में आहार प्रबंधन (डॉ० प्रीति बोरा) : https://www.youtube.com/watch?v=0kUlqTtvrXo
  - शालापूर्व एवं विद्यालयी बच्चों में पोषण (डॉ० दीपिका वर्मा) : https://www.youtube.com/watch?v=nrperZyUTv4
  - किशोरावस्था में पोषण (डॉ० ज्योति जोशी): https://www.youtube.com/watch?v=hCuCvGR8f-I

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 6 सितम्बर, 2025 को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में ऑनलाइन माध्यम से एक दिवसीय पोषण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर नवीन चन्द्र लोहनी द्वारा की गई। अपने उद्बोधन में माननीय कुलपति ने भारत के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पोषण सम्बन्धी समस्याओं का उदाहरण देते हुए पोषण जागरूकता पर बल दिया। पोषाहार की भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रोफेसर लोहनी ने आहार विविधता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, खाद्य सुरक्षा और उत्तराखंड के पारंपरिक भोजन को ध्यान में रखते हुए भावी पीढ़ी को पोषाहार से जोड़ने पर बल दिया । स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक, प्रोफेसर मंजरी अग्रवाल ने पोषण माह की विभिन्न थीमों पर प्रकाश डाला एवं मुख्य वक्ताओं एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग में सहायक प्राध्यापक श्रीमती मोनिका द्विवेदी द्वारा किया गया। डॉ० दीपिका वर्मा द्वारा विषय विशेषज्ञों का परिचय दिया गया। इस अवसर पर भारतीय अनुसन्धान परिषद के कृषि विज्ञान केंद्र शिकोहपुर, गुरुग्राम में विषय वस्तु विशेषज्ञ (गृह विज्ञान) डॉ० कविता बिष्ट तथा आहार विशेषज्ञ डॉ० सृष्टि द्वारा पोषण सप्ताह के अंतर्गत पोषण सम्बन्धी विषयों पर व्याख्यान दिए गए। मुख्य वक्ता डॉ० कविता बिष्ट ने शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार के बारे में बताया । आहार विशेषज्ञ डॉ० सृष्टि द्वारा युवाओं में मोटापे की समस्यों के बारे में विस्तार से बताया। अंत में डॉ० प्रीति बोरा द्वारा सभी अतिथियों तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में गृह विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों डॉ० दीपिका वर्मा, डॉ० प्रीति बोरा, श्रीमती मोनिका द्विवेदी, डॉ० ज्योति जोशी, डॉ० पूजा भट्ट, तकनीकी विशेषज्ञ श्री राजेश आर्या और श्री विभु कांडपाल ने योगदान दिया।

गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनाँक 8 सितम्बर, 2025 को सागर किड्स केयर गार्डन स्कूल, लालडांठ, हल्द्वानी में पोषण जागरूकता हेतु विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयी और विजेता प्रतिभागियों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक, प्रोफेसर मंजरी अग्रवाल द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रोफेसर मंजरी अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को पोषण जागरूकता कार्यक्रम के दौरान बताया कि बचपन से ही सही खानपान की आदत डालना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को जंक फूड से दूरी बनाकर ताज़ा, घर का बना भोजन करने की प्रेरणा दी ताकि बच्चों में स्वास्थ्यवर्धक खानपान की आदत विकसित हो सके। प्रोफेसर अग्रवाल ने बच्चों को समझाया गया कि संतुलित आहार न केवल उन्हें शारीरिक रूप से मज़बूत बनाता है, बल्कि मानसिक विकास और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ाने में भी मदद करता है। इस अवसर पर बच्चों से अच्छे भोजन की आदतों को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प भी कराया गया। इस कार्यक्रम में गृह विज्ञान के शिक्षकों ने बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्त्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। गृह विज्ञान के शिक्षकों ने रोचक गतिविधियों और संवाद के माध्यम से बच्चों को हरी सब्ज़ियों, दालों,

फलों तथा दूध के सेवन के लाभ बताए। गृह विज्ञान विभाग की ओर से कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए सूक्ष्म जलपान का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सागर किड्स केयर गार्डन स्कूल, लालडांठ, हल्द्वानी की प्रधानाचार्या श्रीमती इंदिरा पन्त, प्रबंध निदेशक श्री प्रशांत पन्त, श्रीमती पूजा पन्त एवं विद्यालय के अन्य शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने योगदान दिया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसी पहलें आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ व सशक्त बनाने में सहायक होंगी। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ० दीपिका वर्मा, डॉ० प्रीति बोरा, श्रीमती मोनिका द्विवेदी, डॉ० ज्योति जोशी, डॉ० पूजा भट्ट, रेडियो से श्री अनिल नैनवाल और वीडियो एडिटर श्री विभु कांडपाल मौजूद थे।

https://youtu.be/-hRe2PgvTZg

दिनांक 09 सितम्बर 2025 को आंगनबाड़ी केंद्र, देवलचौड़ में पोषण जागरूकता तथा प्रचार प्रसार कार्यक्रम आयोजित किया गया। आंगनबाड़ी केंद्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक, प्रोफेसर मंजरी अग्रवाल द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, बच्चों तथा महिलाओं का उत्साहवर्धन किया गया। प्रोफेसर अग्रवाल ने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया और बताया कि संतुलित आहार और स्वच्छ परिवेश बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक हैं। गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने आंगनवाड़ी केन्द्र में जाकर आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, लाभार्थी महिलाओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण सम्बन्धी जानकारी दी। पोषण-जागरूकता कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों को पोषण, स्वच्छता और बाल विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। इसके साथ ही गृह विज्ञान के शिक्षकों के द्वारा महिलाओं को टीकाकरण, व्यक्तिगत स्वच्छता, एनीमिया, पौष्टिक आहार, स्तनपान, संतुलित आहार, पोषक तत्वों आदि के बारे में बताया गया। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा महिलाओं और बच्चों के लिए सूक्ष्म जलपान की भी व्यवस्था की गई। महिलाओं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संतुलित आहार, नवजात शिशु में पीलिया, धात्री महिला का भोजन, बालिका के लिए उत्तम पोषण, विटामिन-ए, शिशु और छोटे बच्चों का आहार, पोषक युक्त आहार, डेंगू, मलेरिया, टीकाकरण, टी० बी०, व्यक्तिगत स्वच्छता, एनीमिया, माहवारी के दौरान स्वच्छता एवं साफ- सफाई, गर्भावस्था के दौरान देखरेख, नवजात तथा जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं की देखरेख विषयों पर पेम्फ्लेट वितरित किये गए। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आंगनबाड़ी के बच्चों के लिए शिक्षाप्रद पोस्टर एवं शिक्षाप्रद खेल सामग्रियों का भी वितरण किया गया। आंगनबाड़ी केन्द्र के लाभार्थी नन्हे मुन्हों द्वारा कविता पाठ, नृत्य और अन्य प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ० दीपिका वर्मा, डॉ० प्रीति बोरा, श्रीमती मोनिका द्विवेदी, डॉ० ज्योति जोशी, आंगनवाड़ी केंद्र की प्रभारी श्रीमती गीता देवी और सहायिका श्रीमती आशा नेगी उपस्थित थे।

- राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 09 अक्टूबर, 2025 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गाँव बसानी के आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण जागरूकता तथा प्रचार प्रसार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय में पोषण एवं

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। गृह विज्ञान के संकाय सदस्यों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, महिलाओं एवं बच्चों को बताया कि "पोषण केवल खानपान नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है, हर परिवार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परिवार के हर सदस्य को पर्याप्त पोषक तत्व मिलें।" गृह विज्ञान के शिक्षकों ने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया और बताया कि संतुलित आहार और स्वच्छ परिवेश बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक हैं। गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने आंगनवाड़ी केन्द्र में जाकर आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, लाभार्थी महिलाओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण सम्बन्धी जानकारी दी। पोषण-जागरूकता कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों को पोषण, स्वच्छता और बाल विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। इसके साथ ही गृह विज्ञान के शिक्षकों के द्वारा महिलाओं को टीकाकरण, व्यक्तिगत स्वच्छता, एनीमिया, पौष्टिक आहार, स्तनपान, संतुलित आहार, पोषक तत्वों आदि के बारे में बताया गया। महिलाओं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संतुलित आहार, नवजात शिशु में पीलिया, धात्री महिला का भोजन, बालिकाओं के लिए उचित पोषण, विटामिन-ए, शिशु और छोटे बच्चों का आहार, पोषक युक्त आहार, डेंगू, मलेरिया, टीकाकरण, टी० बी०, व्यक्तिगत स्वच्छता, एनीमिया, माहवारी के दौरान स्वच्छता एवं साफ- सफाई, गर्भावस्था के दौरान देखरेख, नवजात तथा जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं की देखरेख विषयों पर पेम्फ्लेट वितरित किये गए। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र, बसानी के बच्चों के लिए शिक्षाप्रद पोस्टर एवं शिक्षाप्रद खेल सामग्रियों का भी वितरण किया गया। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा महिलाओं और बच्चों के लिए सूक्ष्म जलपान की भी व्यवस्था की गई। गृह विज्ञान के संकाय सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय एवं गृह विज्ञान के विभिन्न पाठ्यक्रमों का भी प्रचार प्रसार आंगनबाड़ी केंद्र, बसानी में किया गया। पोषण जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक, प्रोफेसर मंजरी अग्रवाल, गृह विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ० दीपिका वर्मा, डॉ० प्रीति बोरा, श्रीमती मोनिका द्विवेदी, डॉ० ज्योति जोशी, डॉ० पूजा भट्ट और आंगनवाड़ी केंद्र की प्रभारी श्रीमती पुष्पा देवी और सहायिका श्रीमती देवकी देवी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- पोषण माह के दौरान "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान" के अंतर्गत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 15 अक्टूबर, 2025 को आंगनबाड़ी केन्द्र, हिम्मतपुर मल्ला- I और आंगनबाड़ी केन्द्र, हिम्मतपुर मल्ला- II में स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, बालिकाओं, किशोरियों तथा लाभार्थी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं में स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और संतुलित आहार के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। गृह विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों ने

बताया कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार की नींव होती है। साथ ही शिक्षकों ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान की गतिविधियों के बारे में भी लाभार्थियों को जागरूक किया। कार्यक्रम में महिलाओं को पोषक तत्वों से भरपूर स्थानीय खाद्य पदार्थों के प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से पोषण एवं संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, किशोरियों में रक्ताल्पता की रोकथाम, सुरक्षित मातृत्व तथा परिवार एवं सामुदायिक सहभागिता में बल दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, धात्री महिलाओं, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों तथा अभिभावकों को पोषण के प्रति जागरूक किया गया। गृह विज्ञान के शिक्षकों के द्वारा महिलाओं को टीकाकरण, व्यक्तिगत स्वच्छता, एनीमिया, पौष्टिक आहार, टी० बी०, स्तनपान, संतुलित आहार, पोषक तत्वों आदि के बारे में बताया गया। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं और बच्चों के लिए सूक्ष्म जलपान की भी व्यवस्था की गई। किशोरियों, महिलाओं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संतुलित आहार, टी० बी०, बालिकाओं के लिए उत्तम पोषण, पोषक युक्त आहार, टीकाकरण , व्यक्तिगत स्वच्छता, एनीमिया, माहवारी के दौरान स्वच्छता एवं साफ- सफाई और गर्भावस्था के दौरान देखरेख विषयों पर पेम्फ्लेट वितरित किये गए। कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान की समन्वयक प्रोफेसर रेनू प्रकाश, गृह विज्ञान विभाग के शिक्षक, डॉ० दीपिका वर्मा, डॉ० प्रीति बोरा, श्रीमती मोनिका द्विवेदी, डॉ० ज्योति जोशी, डॉ० पूजा भट्ट, आंगनवाड़ी केन्द्रों की प्रभारी श्रीमती नीलम काला एवं श्रीमती चन्द्रकला और सहायिकाओं श्रीमती लता तिवारी एवं श्रीमती भगवती जोशी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पारंपरिक भोजन को ध्यान में रखते हुए भावी पीढ़ी को पोषाहार से जोड़ने पर बल

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग में शनिवार को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन पोषण कार्यशाला हुई। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पोषण संबंधी समस्याओं का उदाहरण दिया।

पोषण जागरूकता पर बल देते हुए आहार विविधता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, खाद्य सुरक्षा के बारे में बताया। उत्तराखंड के पारंपरिक भोजन को ध्यान में रखते हुए भावी पीढ़ी को पोषाहार से जोड़ने पर बल दिया। स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा की निदेशक प्रो. मंजरी अग्रवाल ने पोषण माह की विभिन्न थीमों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डॉ. कविता बिष्ट ने शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार के बारे में बताया। आहार विशेषज्ञ डॉ. सृष्टि ने वर्तमान में मोटापे की बढ़ती समस्या पर विचार रखे। यहां डॉ. प्रीति बोरा, सहायक प्राध्यापक मोनिका द्विवेदी, डॉ. दीपिका वर्मा आदि रहीं। माई सिटी रिपोर्टर

यूओयू में पोषण कार्यशाला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्व. विद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की और से शनिवार को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में ऑनलाइन माध्यम से एक दिवसीय पोषण कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने भारत के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पोषण संबंधी समस्याओं का उदाहरण देते हुए पोषण जागरूकता पर बल दिया। पोषाहार की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने आहार विविधता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, खाद्य सुरक्षा और उत्तराखंड के पारंपरिक भोजन को ध्यान में रखते हुए भावी पीढ़ी को पोषाहार से जोड़ने पर बल दिया। स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक प्रो. मंजरी अग्रवाल ने पोषण माह की विभिन्न थीमों पर प्रकाश डाला एवं मुख्य वक्ताओं एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग में सहायक प्राध्यापक मो. निका द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर भारतीय अनुसंधान परिषद के कृषि विज्ञान केंद्र शिकोहपुर गुरुग्राम में विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान डा. कविता बिष्ट तथा आहार विशेषज्ञ डा. सृष्टि ने पोषण सप्ताह के अंतर्गत पोषण सम्बन्धी विषयों पर व्याख्यान दिए। मुख्य वक्ता डा. कविता बिष्ट ने शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार के बारे में बताया। आहार विशेषज्ञ डा. सृष्टि ने युवाओं में मोटापे की समस्या के बारे में विस्तार से बताया। अंत में डा. प्रीति बोरा ने सभी अतिथियों तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। ऑनलाइन कार्यशाला में डा. दीपिका वर्मा, डा. प्रीति बोरा, डा. ज्योति जोशी, डा. पूजा भट्ट, तकनीकी विशेषज्ञ राजेश आर्या, विभु कांडपाल आदि शामिल हुए।

Khalsa NEWS NATION

देवलचौड़ आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित,

By Gurmeet Singh Marwah

Published on September 9, 2025

देवलचौड़, 09 सितम्बर। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र, देवलचौड़ में मंगलवार को पोषण जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक प्रोफेसर मंजरी अग्रवाल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, बच्चों और महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए संतुलित आहार और स्वच्छ परिवेश को बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए आवश्यक बताया। गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, लाभार्थी महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जानकारी दी।

शिक्षकों द्वारा पौष्टिक आहार, स्तनपान, एनीमिया, टीकाकरण, व्यक्तिगत स्वच्छता, गर्भावस्था और नवजात शिशुओं की देखभाल जैसे विषयों पर विस्तार से बताया गया। महिलाओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में जागरूकता फैलाने के लिए पेम्फलेट वितरित किए गए। इसके अलावा बच्चों के लिए शिक्षाप्रद पोस्टर और खेल सामग्री भी बांटी गई।